7 चरणों में बनेगा मेट्रो-3

- 9 कंपनियों ने भरी निविदा
- 335 किमी. मेट्रो में कई सुरंग

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. बहुप्रतीक्षित मुंबई मेट्रो-3 की कार्य योजना अब धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगी है. कुलाबा से सीप्ज वाया बांद्रा, प्रस्तावित मेट्रो-3 का निर्माण सात चरणों में किया जाएगा. 33.5 किमी लंबी इस परियोजना के अमल में आने से मुंबई की ट्रैफिक व्यवस्था को भारी राहत मिलने की संभावना है. दिनों-दिन बढ़ती मुंबई की ट्रैफिक समस्या से निजात पाने के लिए इसे एक महत्वपूर्ण प्रकल्प के रूप में देखा जा रहा है. मेट्रो-3 के निर्माण के लिए 9 देशी-विदेशी कंपनियों ने सात चरणों के लिए कुल 31 निविदाएं प्रस्तुत की है. कंपनियों के इस रुचि से मेट्रो-3 परियोजना के महत्व को समझा जा सकता है. मुंबई मेट्रो रेल कार्पोरेशन द्वारा सात चरणों के लिए आमंत्रित निविदाओं हेतु पहले चार चरण के लिए चार-चार तथा बाकी तीन चरणों के लिए 5, 7 तथा 3 निविदाएं आयी है.

निविदा भरने वाली कंपनियों में मे.अफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लि. किवमेट्रोबड, मे. कॉन्टिनेंटल इंजीनियरिंग कार्पोरेशन/आईटीडी स्मेशन इण्डिया लि./टाटा प्रोजेक्ट लि., मे.डॉगस/सोमा, में.आइएल एंड एफएस इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कं.लि./चायना रेलवे 25वीं ब्यूरो ग्रुप कं.लि., मे.जे.कुमार इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लि./चायना रेलवे नं-3 इंजीनियरिंग कं.लि., मे.लार्सन टुब्रो लि./शंघाई टनेल इंजीनियरिंग कं.लि., मे.ओएसजेसी मास्को मेट्रोस्टोरी/हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कं.लि., मे. प्रतिभा इंडस्ट्री लि./गुआडोग युआनतिअन इंजीनियरिंग कं. तथा मे. यूनिटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स लि./आईवीआरसीएल लि./चायना रेलवे टनेल ग्रुप कं.लि. का समावेश है.

- मुंबई मेट्रो रेल कार्पोरेशन की व्यवस्थापकीय संचालिका अश्विनी भिड़े के अनुसार देशी-विदेशी कंपनियों द्वारा मेट्रो-3 की परियोजना में दिखाया प्रतिसाद प्रोत्साहित करने वाला है.
- इससे राज्य सरकार तथा प्रोजेक्ट निर्माता संस्थाओं पर विश्वास झलकता है. मेट्रो-3 प्रकल्प के अस्तित्व में आने से उपनगरीय लोकल की भी निश्चित रूप से कम होगी, जिससे रेल दुर्घटनाओं में कमी आएगी और लोगों की जान बचेगी.
- मेट्रो-3 का अधिकांश रास्ता सुरंगों से होकर गुजरेगा, जिसको बनाने के लिए नई ऑस्ट्रेलियन तकनीक का इस्तेमाल होगा. मुंबईकरों के लिए मेट्रो-3 का सफर रोमांच से कम नहीं होगा.
- सुरंग के भीतर मेट्रो से चलने का अनोखा अनुभव लोगों को मिलेगा. बहरहाल इसके प्रथम चरण में जिस तरह से कंपनियों ने उत्साह दिखाया है उससे उम्मीद की जा सकती है की मेट्रो-3 विश्व में अलग आकर्षण पैदा करेगी.

पहला चरण
स्टेशन : कफ परेड, विधान भवन, चर्चगेट, हुतात्मा चौक (नई ऑस्ट्रेलियन टनेलिंग पद्धति).

द्वितीय
स्टेशन : सीएसटी मेट्रो, कालबादेवी, गिरगांव व ग्रांट रोड.

तृतीय
स्टेशन : सेंट्रल मेट्रो, महालक्ष्मी, साइंस म्युजियम, वरली व आचार्य अत्रे चौक.

चतुर्थ
स्टेशन : सिद्धिविनायक, दादर, शीतला देवी.

पांचवां
स्टेशन : धारावी, बीकेसी, विद्यानगरी, सांताक्रुज.

छठा
स्टेशन : डॉमेस्टिक एयरपोर्ट, सहार एयरपोर्ट, इंटरनेशनल एयरपोर्ट.

सातवां
स्टेशन : मरोल नाका, एमआईडीसी, सीप्ज व आरे आगार.

टिप्पणी : प्रत्येक चरण में 4 से 5 किमी लंबी बनेगी दोहरी सुरंग.